वो बाप ही होता है

परिवार का बोझा जो , कंधो पे ढोता है ,
कोई और नहीं प्यारे , वो बाप ही होता है,

परिवार की खातिर वो , जब घर से निकलता है,
पैरों के तले अपने , अरमान कुचलता है,
हालात से जो अक्सर , करता समझौता है,
कोई और नहीं प्यारे ..

गंभीर दिखाई दे , बेटे की पढ़ाई पे ,
पत्थर दिल भी पिघले , बेटी की विदाई पे ,
इक कोने में जाकर , वो फुट के रोता है ,
कोई और नहीं प्यारे ..

दुनिया में पिता से ही , पहचान मिली हमको,
सूरज सी चमकती जो , वो शान मिली हमको,
सम्मान की माला में , प्रतिभा को पिरोता है ,
कोई और नहीं प्यारे ..

हर दुख हर चिंता को , हंस करके वो झेले ,
बच्चों पे मुसीबत हो , वो मौत से जा खेले ,
मेहनत के पसीने से , " नरसी " दुख धोता है,
कोई और नहीं प्यारे ..

लेखक एवं गायक : नरेश " नरसी " (फतेहाबाद)
की ओर से आप सभी को .. !! जय श्री श्याम जी !!
भजन प्रेषक : प्रदीप सिंघल (जीन्द वाले)

Source:
https://www.bharattemples.com/parivaar-ka-bhoja-jo-kandho-pe-dhota-hai-koi-or-nhi-pyaare-vo-baap-hi-hota-hai/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw